''भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश शासन का प्रभावः एक ऐतिहासिक समीक्षा''

अजीत पाल सिंह

औपनिवेशिक शासन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभावों की व्याख्या हेतु मुख्यतया दो प्रवृतियाँ रहीं है। यूरोप के विद्वानो ने उपनिवेशवाद का सामान्य सर्वेक्षण किया तथा उसे पूंजीवाद की विश्व व्यापी संरचना से संघटित करके देखा। भारतीय अर्थव्यवस्था पर हुए दुष्परिणाम उनके लिए पूंजीवादी रूपांतरण की कीमत थे। भारतीय राष्ट्रवादी चिंतन का ध्यान सदा से भारतीय संदर्भ में औपनिवेशिक शासन को समझने की रही है। सम्पत्ति दोहन एवं अनौद्योगीकरण को अंग्रेजी राज्य के दुष्परिणमों के रूप में उन्होनें व्याख्यायित किया।

ब्रिटिश शासन नें भारतीय अर्थव्यवस्था का औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में रूपान्तरण किया तथा अर्थव्यवस्था के स्वरूप एवं ढाँचे का निर्धारण ब्रिटिश अर्थव्यवस्था की जरूरतो के अनुसार किया। पूर्व औपनिवेशिक परम्परागत स्वनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पूरी तरह छिन्न–भिन्न कर दिया